# संगम

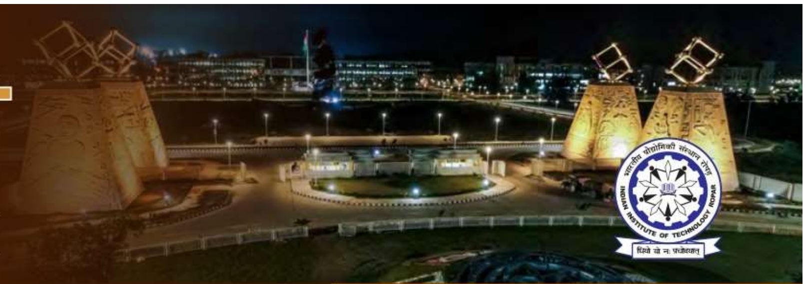

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ की हिन्दी पत्रिका

अप्रैल – जून 2022

मुद्रण संस्करण 04 अंक 02

## निदेशक की कलम से....!

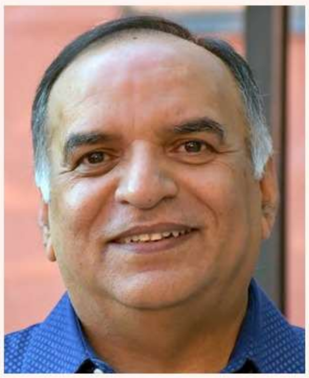

वर्षा ऋतु है और यह मौसम भा.प्रौ.सं. रोपड़ परिवार के लिए भी एक व्यस्त समय है, और बहुत सारे छात्र जो आई. आई. टी. में प्रवेश पाने के इच्छुक हैं।

हम दो साल से अधिक समय से इस महामारी में साथ हैं। किंतु अब रोशनी की किरण देखी जा सकती है। भा.प्रौ.सं. रोपड़ में हम एक ऐसे समुदाय का निर्माण कर रहे हैं जो हमेशा मुक्त है, निरंतर बढ़ रहा है और जिसके मूल में अस्मिता-बोध हैं। भा.प्रौ.सं. रोपड़ परिसर हमेशा गतिविधियों की अधिकता से गुंजनमान रहता है और यह एक जीवंत स्थान बन गया है जहां मेधावी मस्तिष्क एकजुट होते हैं और ज्ञान और कौशल के अपने विशाल भंडार को साझा करते हैं।

यहां शिवालिक की तलहटी और सतलुज नदी के तट पर वर्षा ऋतु सबसे अच्छा समय है। हवाओं और फुहारों का आवेश कायाकल्प और परिवर्तन कर रहा है। इस तिमाही में विभिन्न सम्मेलन, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं प्रासंगिक क्षेत्रों पर केंद्रित थीं। भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों के विशेषज्ञों ने व्यापक विषयों पर व्याख्यान दिया और सीखने के विभिन्न क्षेत्रों में नई अंतर्दृष्टि प्रदान की। भा.प्रौ.सं. रोपड़ को टाइम्स हायर एजुकेशन-एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग २०२२ में एशिया के शीर्ष १०० संस्थानों में ६८वां स्थान मिला है। साथ ही एनआईआरएफ रैंकिंग में भा.प्रौ.सं. रोपड़ को अभियांत्रिकी श्रेणी में २२वां और सर्वांगिण श्रेणी में ५वां स्थान मिला है। हमारे छात्रों ने कई प्रशंसा और पुरस्कार अपने नाम किए हैं; मैं छात्रों को खेल अथवा सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में विभिन्न आयोजनों में उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि हम न केवल अपने साथियों के लिए बल्कि स्वयं के लिए भी नए मानक स्थापित करने की दिशा में साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से समुदायों के लिए अपनी सेवा को मजबूत करने के लिए कई तरह की गतिविधियों पर अथक प्रयास कर रहा है। इसका उद्देश्य अन्य प्रतिष्ठानों के साथ अनुसंधान, सामुदायिक संपर्क और सहयोग की दृश्यता का विस्तार करना भी है।

हम आपके लिए श्रेष्ठतर, उच्चतर और महान उपलब्धियों को प्राप्त करने का संकल्प लेते हैं।

जय हिंद !

## संस्थान की प्रमुख उपलब्धियां

### एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग

एशिया के शीर्ष 100 संस्थानों में भा.प्रौ.सं. रोपड़ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 68 वें स्थान पर है। एक युवा संस्थान होने के बावजूद, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने अधिक लोकप्रिय पूर्ववर्तियों से अपने बल से काफी ऊपर छलांग लगाई है। केंद्र द्वारा वित्त पोषित संस्थानों में, भा.प्रौ.सं. रोपड़ भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु (42 वीं रैंक) के बाद भारत में 68 वीं रैंक के साथ दूसरे स्थान पर है। इस वर्ष भा.प्रौ.सं. रोपड़ का समग्र स्कोर 47.2 रहा। उद्धरण, उद्योग परिणाम, अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिक्षेप, अनुसंधान और शिक्षण में इसके संबंधित स्कोर 99.7, 37.7, 18.9, 17.0 और 31.7 हैं।

### एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सरकार द्वारा आयोजित भारत रैंकिंग 2022 के अनुसार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ को 22वें स्थान पर रखा गया है और सभी अभियांत्रिकी संस्थानों में शीर्ष 25 में स्थान दिया गया है और समग्र श्रेणी में 35वें स्थान पर है। श्री धर्मेंद्र प्रधान जी, माननीय शिक्षा मंत्री भारत सरकार ने नई दिल्ली में परिणामों की घोषणा की। एनआईआरएफ 2022 में भाग लेने वाले महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस वर्ष कुल 7254 उच्च शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया है जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 6272 थी। रैंकिंग 11 श्रेणियों में घोषित की गई थी - समग्र, विश्वविद्यालय, अभियांत्रिकी, महाविद्यालय, प्रबंधन, भेषजी (फार्मेसी), चिकित्सा, वास्तुकला, और विधि, दंत चिकित्सा, अनुसंधान।

### केंद्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन समारोह

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा ने परिसर में 24000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैले केंद्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन किया। पुस्तकालय में 25 हजार से अधिक पुस्तकें, 7000 से अधिक पत्रिकाएं और हजारों ई-पुस्तकें हैं। पुस्तकालय में ग्रंथ सूची डेटाबेस है जिसमें स्कोपस, वेब ऑफ साइंस, मैथ्ससी नेट शामिल हैं। इसमें एक बार में 200 लोगों के बैठने की क्षमता है। इसमें लाइब्रेरी ऑटोमेशन, स्मार्ट चेक-इन और चेक-आउट ऐप के लिए लिबसिस सॉफ्टवेयर उपलब्ध है।

## पुरस्कार एवं मान्यता

### कैमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सी.आर.एस.आई.) कांस्य पदक

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के रसायन विज्ञान विभाग की सह प्राध्यापक डॉ. थारामणि सी. एन. ने कैमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई) से सीआरएसआई कांस्य पदक 2023 प्राप्त किया। यह एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है जो उन्हें रसायन विज्ञान में अनुसंधान में उनके महत्वपूर्ण योगदान हेतु प्रदान किया गया है।

### यूएस पेटेंट की स्वीकृति

शोधकर्ताओं की टीम, डॉ. मलकीत सिंह, प्रो. हरप्रीत सिंह, प्रो. क्रिस्टोफर बर्नड्ट और डॉ. प्रबीर सरकार को अपशिष्ट पुर्नचक्रण-आधारित योगशील विनिर्माण प्रौद्योगिकी? के आविष्कार पर यूएस पेटेंट का अनुदान प्रदान किया गया। अत्यधिक विकसित प्रौद्योगिकी उपयोगी उत्पादों को बनाने के लिए मशीन प्रसंस्करण के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट/स्कार्प कणों का उपयोग करती है। यह आविष्कार सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भास्कर खास • 80 से 90 हजार रुपए होगी कीमत, इस मल्टीपर्पस मशीन को बनाने में लग गए तीन साल

ऑक्सीजन बबल करेंगे क्षमता डबल:आईआईटी रोपड़ की मशीन पानी में ऑक्सीजन बढ़ाएगी, क्रीम से बचे दूध को बदल देगी एनर्जी ड्रिंक में

मशीन से बनने वाले ओजोन सॉल्यूशन से मर जाता है बैक्टीरिया

जख्म होंगे जल्द ठीक

दावा-यह देश की पहली मशीन जिसके इतने फायदे

### नैनोबबल जनरेटर

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के प्राध्यापक, डॉ नीलकंठ निर्मलकर ने अपनी तरह का पहला नैनोबबल जनरेटर विकसित किया, जिसमें उन्नत वातन प्रणाली है जो पानी में नैनोबबल्स बनाती है। एक नैनोबबल में पानी में प्रदूषकों को नष्ट करने का गुण है और जब प्रौद्योगिकी को बढ़ाया जाता है, तो वह उद्योगों द्वारा उपयोग के लिए तैयार हो सकती है।

# समझौता ज्ञापन

## फ्रेंच संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

फ्रांस में भारत की टीम ने संयुक्त, द्वि और विनिमय अवसरों पर भारत और फ्रांसीसी संस्थानों के बीच संभावित सहयोग पर चर्चा के लिए भा.प्रौ.सं. रोपड़ का दौरा किया। वैज्ञानिक सहयोग के सहचारी डॉ. डिडिएर राबोइसन के साथ वैज्ञानिक और विश्वविद्यालय सहयोग के लिए डॉ. फैबियन चारिक्स ने संभावित सहयोग के लिए संस्थान का दौरा किया।

## राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में इन दोनों संस्थानों के शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग और विकास को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ और प्रो ललित के. अवस्थी, निदेशक, रा.प्रौ.सं. उत्तराखंड ने प्रोफेसर नवीन कुमार, अधिष्ठाता अनुसंधान एवं विकास, डॉ पुष्पेंद्र पी सिंह, सह अधिष्ठाता अनुसंधान एवं विकास, डॉ जितेंद्र प्रसाद, सह अधिष्ठाता स्नातक तथा भा.प्रौ.सं. रोपड़ और रा.प्रौ.सं. उत्तराखंड के अन्य संकाय सदस्यों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

## शासकीय महाविद्यालय रुपनगर के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. रोपड़ और शासकीय महाविदियालय रूपनगर ने शिक्षण, अधिगम, कौशल और संकाय विकास के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रस्तावित सहयोग सामाजिक वैज्ञानिक और संस्थान उद्यमिता उत्तरदायित्व के ढांचे में प्रकट होगा।

# आयोजन

## विश्व योग दिवस समारोह

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में दिनांक 21 जून 2022 (मंगलवार) को 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। यह सुबह जल्दी निर्धारित किया गया था। सुबह 6:40 से 7:00 बजे तक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ के सदस्यों ने माननीय प्रधान मंत्री जी के संबोधन में भाग लिया। सुबह 7:00 बजे योग सत्र शुरू हुआ, जिसमें भा.प्रौ.सं. रोपड़ सदस्यों को योग कक्षा में सर्वश्रेष्ठ योग शिक्षक डॉ. राजीव कुमार उप्पल, महासचिव - चंडीगढ़ योग एसोसिएशन, जो पावर योग और क्रिया योग सहित योग की कई शैलियों का अभ्यास कर रहे हैं, से योग कक्षा में भाग लेने का अवसर मिला। प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़, संकाय सदस्य, कर्मचारियों और छात्रों ने सभागार में आसन-अभ्यास किया और अन्य सदस्य आईआईटी रोपड़ के यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से योग सत्र में शामिल हुए। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम "मानवता के लिए योग" है।

## प्रौद्योगिकी दिवस

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। यह दिवस लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और "आत्मनिर्भर भारत को एक वास्तविकता" बनाने के लिए हमारे वैज्ञानिकों और नवोन्मेषकों की कठोर परिश्रम को स्मरण और सादर अभिवन्दन करने का दिन है। इस अवसर पर श्री. एच. बी. श्रीवास्तव, महानिदेशक, प्रौद्योगिकी प्रबंधन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) मुख्य अतिथि थे और उन्होंने "रक्षा अनुसंधान-चुनौतियां और अवसर" विषय पर अपने विचार साझा करते हुए सभी को संबोधित किया। उन्होंने छात्रों से अगली पीढ़ी की तकनीक सीखने के लिए अपनी ऊर्जा और समय समर्पित करने का आग्रह किया।

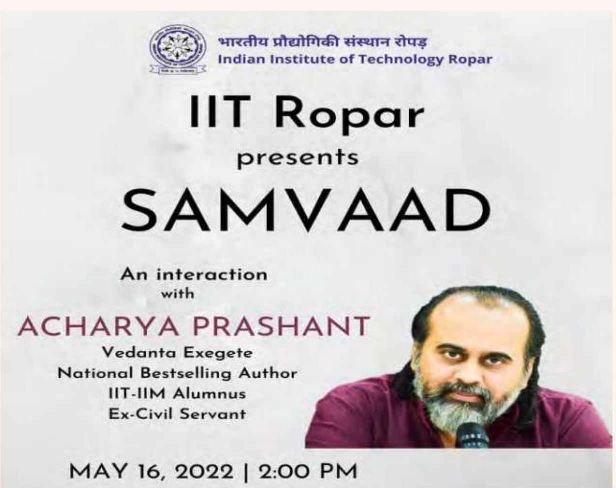


## आचार्य प्रशांत द्वारा व्याख्यान

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने आचार्य प्रशांत के साथ एक परस्पर संवादात्मक वेबिनार का आयोजन किया। वह एक प्रशंसित वेदांत व्याख्याता और 80 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं। भा.प्रौ.सं. रोपड़ के छात्र वेबिनार के माध्यम से विभिन्न जीवन-विषयों पर विमर्श में उनसे जुड़े। आचार्य प्रशांत के आध्यात्मिक शिविर पूरे देश और विदेश में आयोजित किए जाते हैं, जिससे उन्हें उच्चतम प्रकार के आध्यात्मिक और ध्यानपूर्ण परिवर्तनों से गुजरने का अवसर प्राप्त होता है।

### भा.प्रौ.सं. रोपड़ में वृक्षारोपण अभियान

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने राउंडग्लास फाउंडेशन के साथ मिलकर, एक स्थायी भविष्य को आकार देने की दिशा में अपने निरंतर प्रयास में, संयुक्त राष्ट्र 2022 की थीम "केवल एक पृथ्वी" और राष्ट्रीय पहल 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली - जीवन आंदोलन' पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य के साथ संस्थान में 1000 पौधे लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस (WED) 2022 मनाया।

### बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने आईपीआर अधिकारों के बाद बेहतर आविष्कार और नवाचार लाने के लिए अन्वेषकों को प्रोत्साहित करने के लिए "पंजाब स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी" के सहयोग से अनुसंधान छात्रों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन आईपीआर अधिकारों, इसके महत्व और संरक्षण पर ज्ञान के प्रसार के उद्देश्य से किया गया था, और इसमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

### न्यूज 18 द्वारा आयोजित शिक्षा शिखर सम्मेलन

प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने न्यूज़ 18 पंजाब द्वारा आयोजित शिक्षा शिखर सम्मेलन में अपने विचार साझा करते हुए भारत में नवाचार और उद्यमिता संस्कृति लाने के लिए नए प्रौद्योगिकी संस्थानों में बुनियादी विज्ञान के मजबूत आधार की आवश्यकता साझा की। उन्होंने "तकनीकी शिक्षा का भविष्य" पर अपनी अंतर्दृष्टि दी। शिखर सम्मेलन ने प्रमुख भारतीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए रणनीतियों, सफलता की कहानियों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा, विचार-विमर्श और अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

## श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला के अंतर्गत चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन

भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान रोपड़ के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 26 अप्रैल, 2022 को श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला के अंतर्गत चतुर्थ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यानमाला विभिन्न विषय क्षेत्र के विद्वानों को आमंत्रित कर उनके विचारों को अधिक से अधिक सदस्यों के साथ साझा करने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। व्याख्यानमाला के अंतर्गत "विज्ञान और साहित्य" विषय पर मार्गदर्शन करने हेतु डॉ. नीरजा माधव, पूर्व निदेशक, आकाशवाणी को आमंत्रित किया गया था।

डॉ. नीरजा माधव आमंत्रित वक्ता महोदया ने विज्ञान और साहित्य विषय पर सभी का मार्गदर्शन किया और श्रोताओं द्वारा प्राप्त जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। इस अवसर पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति रुपनगर के सदस्य कार्यालयों के सदस्यों ने भी डॉ. नीरजा माधव के विचारों से स्वयं को लाभान्वित किया।

इस अवसर पर संस्थान के माननीय निदेशक प्रो. राजीव आहूजा विशेष रुप से उपस्थित थे। प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक महोदय ने अपने विशेष संबोधन में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में विज्ञान और साहित्य दोनों की महती भूमिका है।

इस कार्यक्रम का संचालन हिंदी प्रकोष्ठ के संकाय प्रभारी डॉ. अभिषेक तिवारी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राकेश कुमार मौर्य, सह अधिष्ठाता, शैक्षणिक (स्नातकोत्तर) ने किया। श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला के अंतर्गत आयोजित यह चतुर्थ व्याख्यान सभी सदस्यों के लिए अत्यंत लाभदायक रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभिषेक तिवारी, संकाय प्रभारी (हिंदी) ने किया।

## नराकास रुपनगर की अर्धवार्षिक बैठक तथा राजभाषा शील्ड वितरण समारोह

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति रुपनगर की 9वीं अर्धवार्षिक बैठक दिनांक 25 मई, 2022 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुई। इस बैठक में नराकास रुपनगर के अंतर्गत आनेवाले सभी सदस्य कार्यालयों द्वारा किए गए राजभाषा संबंधी कार्यों का मूल्यांकन किया गया।

यह बैठक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा जी की कार्यकारी अध्यक्षता में संपन्न हुई तथा इस बैठक में यूको बैंक, चण्डीगढ़ के अंचल प्रबंधक श्री मनमीत एस व्यास, एनएफएल के मुख्य महाप्रबंधक श्री. एस. के. श्रीवास्तव, नाइलिट चण्डीगढ़ के कार्यकारी निदेशक श्री सुभांशु तिवारी तथा श्री अमलशेखर करणसेठ प्रभारी (राजभाषा) प्रधान कार्यालय कोलकाता विशेष रुप से उपस्थित थे।

श्री मनमीत एस. व्यास, अंचल प्रबंधक, यूको बैंक ने बैठक में उपस्थित विभिन्न कार्यालयों के प्रमुख, हिंदी से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारियों का औपचारिक स्वागत किया। श्री एस. के. श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक, एनएफएल ने इस अवसर पर सभी के समक्ष अपने विचार रखे।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि नराकास रुपनगर निश्चित समयावधि में अपनी गतिविधियों एवं आयोजनों से अपने द्रुत विकास को चिन्हित कर रहा है। प्रो. राजीव आहूजा ने बैठक में उपस्थित सभी कार्यालयों के प्रमुखों एवं राजभाषा से जुड़े कर्मियों को अपने-अपने कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य राजभाषा हिंदी में करने की अपील की। इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कार्यवाहक कुलसचिव डॉ. दिनेश के.एस. ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

**इस बैठक में वित्त वर्ष 2021-22 में राजभाषा में श्रेष्ठ कार्य करने हेतु भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ को राजभाषा शील्ड प्रदान की गई।**

**राजभाषा शील्ड प्राप्त करते हुए भा.प्रौ.सं. रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा**

**प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुए हिंदी अनुवादक, भा.प्रौ.सं. रोपड़**

शील्ड वितरण समारोह के दौरान वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान नराकास रुपनगर की गतिविधियों में विशेष सहयोग प्रदान करते हेतु भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

# आनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के हिंदी प्रकोष्ठ ने दिनांक 16 जून, 2022 को आभासीय रुप में हिंदी कार्यशाला का आयोजन संपन्न किया। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में तथा दिनांक 25 मई 2022 को संपन्न नराकास रुपनगर की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुवर्ती इस कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला हिंदी में आई टी टूल्स के अनुप्रयोग विषय पर आयोजित की गई जिसमें विषय विशेषज्ञ के रुप में सीएसआईआर-उत्तर पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (निस्ट) के हिंदी अधिकारी एवं नराकास जोरहाट, असम के सदस्य सचिव श्री अजय कुमार को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर नराकास रुपनगर के अध्यक्ष श्री अमिष नाथ झा, सदस्य सचिव डॉ. हेमलता के साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के हिंदी अधिकारी श्री लगवीश कुमार विशेष रुप से उपस्थित थे। इस कार्यशाला में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के कर्मचारियों तथा नराकास रुपनगर के सदस्य कार्यालयों ने सहभागिता ली।

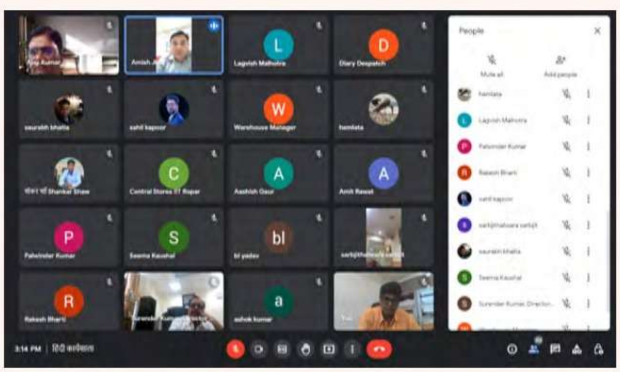

आमंत्रित विषय विशेषज्ञ महोदय ने कार्यालय में कार्य करते हुए हिंदी में आनेवाली समस्याओं विशेष रुप से तकनीकी समस्याओं और बाधाओं को सभी के साझा किया तथा इन समस्याओं के समाधान की दिशा में राजभाषा विभाग द्वारा बनाएं गए विभिन सॉफ्टवेयर की जानकारी दी। श्री अजय कुमार जी ने इन सॉफ्टवेयर को किस प्रकार उपयोग में लाया जा सकता है इस पर भी अपने विचार रखें।

इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता महोदय तथा उपस्थितों का औपचारिक स्वागत श्री अमिष नाथ झा, अध्यक्ष, नराकास रुपनगर ने किया। विशेष टिप्पणी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. हेमलता, सदस्य सचिव, नराकास रुपनगर तथा कार्यक्रम का संचालन भा.प्रौ.सं. रोपड़ के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने किया।

# हिंदी शिक्षण योजना द्वारा संचालित भाषा प्रशिक्षण परीक्षा में संस्थान-उपलब्धि

हिंदी शिक्षण योजना, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भाषा प्रशिक्षण के जनवरी-मई 2022 सत्र की परीक्षा में संस्थान के सदस्यों द्वारा उत्तम प्रदर्शन किया गया। भाषा प्रशिक्षण की जनवरी-मई 2022 सत्र की माह मई 2022 में संपन्न प्राज्ञ, प्रवीण तथा पारंगत परीक्षा में पारंगत प्रशिक्षण में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 08 सदस्य, प्राज्ञ परीक्षा में 01 सदस्य तथा प्रवीण परीक्षा में 01 सदस्य उत्तीर्ण हुए। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तीर्ण सदस्यों का अभिनंदन करता है।

## पारंगत परीक्षा में उत्तीर्ण सदस्य

**श्री पुनीत गोयल,**
उपकुलसचिव

**श्री मनोज कुमार,**
कनि. सहायक (लेखा)

**श्री कौशल किशोर झा,**
वरिष्ठ सहायक

**सुश्री अमृत कौर,**
वरिष्ठ सहायक

**श्री अमित रावत,**
सहायक सुरक्षा अधिकारी

**श्री अमोद कान्हेरे,**
अधीक्षक

**श्री दलजीत सिंह सैनी,**
वरिष्ठ सहायक

**श्री दिवाकर शर्मा,**
वरिष्ठ सहायक

## प्राज्ञ परीक्षा में उत्तीर्ण सदस्य

**सुश्री मनिंदर पाल कौर,**
कनिष्ठ सहायक

## प्रवीण परीक्षा में उत्तीर्ण सदस्य

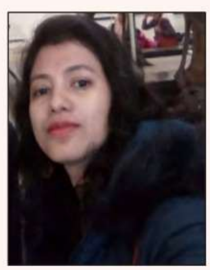

**सुश्री नबनीता चक्रबोर्ति,**
कनिष्ठ अधीक्षक

## संसाधन विकास

पुस्तकालय भवन को चालू कर दिया गया है। आगामी महाशैक्षिक खंड में निर्माण कार्य गति पकड़ रहा है। पुरुष छात्रावास का आंतरिक कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा बाहरी कार्य माह जुलाई में पूर्ण होने की आशा है। आवास (72 फ्लैट) का निर्माण कार्य संपन्न कर लिया गया है। संस्थान इनका शीघ्र ही अधिग्रहण करेगा।

पुरुष छात्रावास

आवास खंड

## एक संकाय के रूप में आगे बढ़ते हुए – नव कार्यग्रहण

**प्रो. जितेंद्र कुमार**
प्राध्यापक
गणित विभाग

**डॉ कमल कुमार चौधरी**
सह प्राध्यापक
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

**डॉ. दीप्ति आर. बथुला**
सह प्राध्यापक
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

**डॉ. बलविंदर सिंह**
सह प्राध्यापक
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

**डॉ. पुनीत गोयल**
सह प्राध्यापक
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

**डॉ. विश्वजीत महेंदीया**
सह प्राध्यापक
रासायनिक अभियांत्रिकी

**डॉ. पुष्पेन्द्र पी. सिंह**
सह प्राध्यापक
भौतिक

**डॉ. कैलाश चंद्र जेना**
सह प्राध्यापक
भौतिक

**डॉ. संकरा राजू कोसुरु**
सह प्राध्यापक
गणित

**डॉ. तपस चर्टजी**
सह प्राध्यापक
गणित

**डॉ. अरुण कुमार**
सह प्राध्यापक
गणित

**डॉ. सचिन कुमार**
सह प्राध्यापक
यांत्रिकी अभियांत्रिकी

## एक कर्मचारी के रूप में आगे बढ़ते हुए – नव कार्यग्रहण

**मनीषा**
पुस्तकालय व्यावसायिक
प्रशिक्षु (अनुबंध पर)

**पंकज**
पुस्तकालय व्यावसायिक
प्रशिक्षु (अनुबंध पर)

**श्री नवदीप सिंह**
फुटबॉल कोच
(अनुबंध पर)

**श्री सरबजीत सिंह**
हॉकी कोच
(अनुबंध पर)

**करमजीत सिंह**
क्रिकेट कोच
(अनुबंध पर)

**संतोष सिंह**
भारोत्तोलन और
जिम कोच (अनुबंध पर)

**रजत शर्मा**
वॉलीबॉल कोच
(अनुबंध पर)

संरक्षक संपादक
**प्रो. राजीव आहूजा**
निदेशक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

परामर्शदाता संपादक
**डॉ. अभिषेक तिवारी**
संकाय प्रभारी (हिन्दी)

**श्री लगवीश कुमार**
हिन्दी अधिकारी तथा संयुक्त कुलसचिव
भा.प्रौ.सं.रोपड़

संपादक
**डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे**
हिन्दी अनुवादक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

अभिकल्प, प्रकाशन एवं मुद्रण
**सुश्री प्रीतेंदर कौर**
जनसंपर्क अधिकारी, भा.प्रौ.सं.रोपड़
संपादन सहयोग
**श्री ऋतभ किशोर**
छात्र समन्वयक (संगम पत्रिका),
पीएच. डी. शोधार्थी, यांत्रिक अभि. विभाग, भा.प्रौ.सं.रोपड़